वाराणसी-दिल्ली बुलेट ट्रेन का सर्वे पूरा

सहूलियत

05 स्तर पर रेल कॉरिडोर के लिए किया गया है सर्वे

03 घंटे में बनारस से दिल्ली पहुंचेंगे यात्री

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

वाराणसी और दिल्ली के बीच बुलेट ट्रेन के लिए 800 किमी तक रेल कॉरीडोर के लिए सभी सर्वे पूरे हो चुके हैं। रिपोर्ट के अध्ययन के बाद अगस्त के अंत तक इसे मंत्रालय को सौंपा जाएगा। वहां से स्वीकृति मिलते ही हाईस्पीड रेल कॉरपोरेशन परियोजना का डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर टेंडर जारी होगा।

रेल कॉरिडोर के लिए पांच स्तरीय सर्वे हो चुके हैं। इसमें ग्राउंड सर्वे, लिडार सर्वे, राइडरशिप सर्वे, जीओ टेक्निकल सर्वे और एसआईए सर्वे किया गया है। इसकी रिपोर्ट का अध्ययन संबंधित सर्वे एजेंसियां कर रही हैं। हाईस्पीड रेल कॉरपोरेशन की जनसंपर्क अधिकारी सुषमा गौड़ ने बताया कि सभी सर्वे की रिपोर्ट संबंधित एजेंसियां हाईस्पीड रेल कॉरपोरेशन को सौंपेंगे। कारपोरेशन की ओर से अगस्त के अंत तक मंत्रालय को सौंपा जाएगा। रिपोर्ट को लेकर कोई आपत्ति नहीं होती है तो डीपीआर बनना शुरू होगा।

हावड़ा रूट के कॉरीडोर के लिए एजेंसी जल्द शुरू करेगी कामः वाराणसी-हावड़ा रूट के लिए बनने वाले हाईस्पीड रेल कॉरीडोर के लिए भी जल्द सर्वे शुरू होगा। पीआरओ ने बताया कि सर्वे के लिए एजेंसियों को नामित कर लिया गया है।

सतीश अग्निहोत्री बने प्रबंधक निदेशकः सतीश अग्निहोत्री नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नए प्रबंध निदेशक बनाये गये हैं। वह 1982 के आईआरएसई अधिकारी ने प्रबंध अग्निहोत्री मेगा रेल परियोजनाओं के कार्यान्वयन में 20 वर्षों का अनुभव है।

लखनऊ भी जुड़ेगा

कॉरिडोर दिल्ली को मथुरा, आगरा, इटावा, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज, भदोही, वाराणसी और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ेगा। नोएडा के जेवर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को भी जोड़ेगा।